# Learning through Letters!

Continuing Education During Crisis and Beyond: Trying to overcome immediate and structural Barriers!

Jyotsna Jha
Centre for Budget & Policy Studies
Bangalore

Funded by Malala Fund

Centre for Budget and Policy Studies

## Receiving a letter!

- Do you remember when you received your first letter?
- Pen friends? Have you heard of one? Did you ever have one?

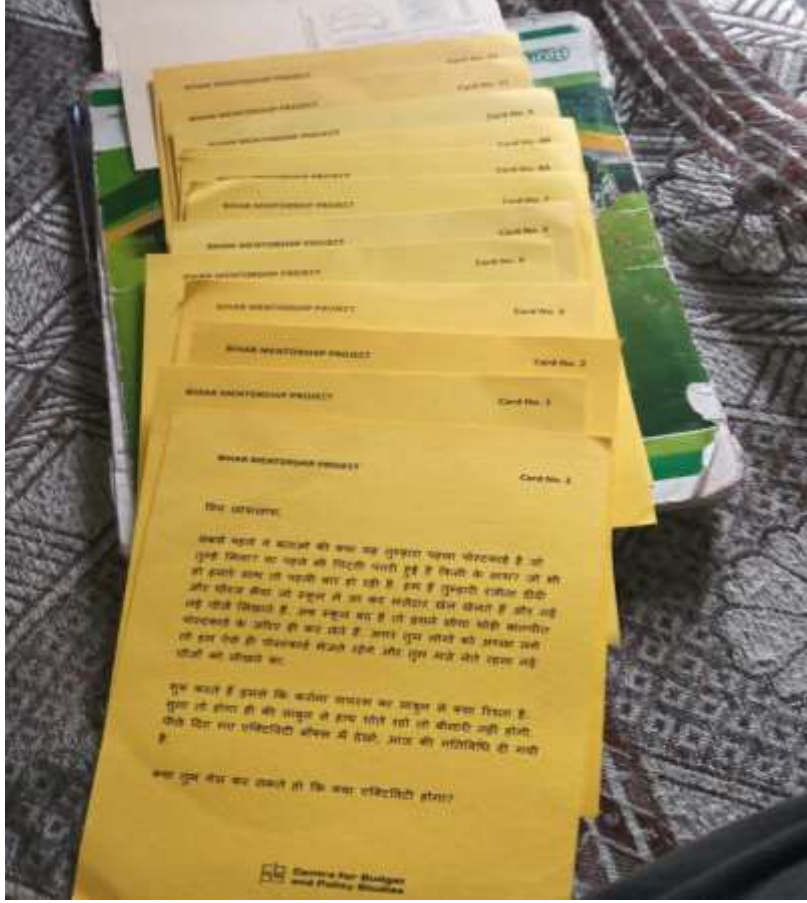

## Learning through Letters: what is it?

- It is a biweekly postal material written in a letter form but containing learning activities that we developed for reaching our children in ten schools in Patna and Muzaffarpur where our action research (Bihar mentorship project) has been operational.

# Bihar Mentorship Model: Key Features of the Action Research

- Working with ten (nine state and one NGO) schools in Bihar
- One day a week in each of these with pre-designed activities broadly focusing on ‘critical thinking skills’
- self and contextual exploration based learning that integrates information and knowledge with issues of equity and diversity
- Community mapping
- Students in classes 6 & 7 (cohort moving to 7 & 8)
- Local Mentors
- Continuous training and support on content and pedagogy
- Continuous feedback loop (daily notes, phone call notes around key questions)
- Attendance monitoring
- Mapping of BMP curricular and regular curricular focus
- Teacher orientation
- Baseline, midline and end-line surveys

# Why Letter?
# Needed a model that fulfills these objectives

(i) To continue our work on creating opportunities for critical thinking and engaging with equality and diversity issues, so that our work in the past several months continues

(ii) To continue creating opportunities for reading and comprehending what one reads in to ensure there is no loss in reading abilities due to closure of schools

(iii) To continue engagement with children and their parents so that to prevent any dropout when the school reopens

(iv) To deepen our relationship with students, parents and teachers to create a support system and encourage girls to get in touch in case of any emergency

# How are these letter developed and designed?

- Conversational and personal to have a relationship
- Short and precise instructions
- Use of questions to engage children in the learning process
- Scaffolding and sequencing of resources (repeats)
- Unanswered questions to be explored by the students and creating the element of ‘waiting’ for the answers
- Diverse methods for exploration (small experiments using easily available materials in rural homes; conversation with family members /neighbors of all ages/ observation)
- Contextually rooted
- Integrated: science, social science, issues of equity, diversity and gender
- Any concept to be broken into small bits of resources/instructions– easy to read/view/listen again and again;
- Simple language and the use of images
- one packet of notebooks and colours, and one packet of books in four months

# Chitthi Aayee Hai

**BIHAR MENTORSHIP PROJECT** **Card No. 2**

प्रिय छात्र/छात्रा,

देखो हम फिर आ गए. अपना वादा निभा लिया. तुमने भी ज़रूर अपना वादा निभाया होगा और अपना नोटबुक तैयार रखा होगा. चलो हम बताते हैं जवाब और तुम मिला कर देखो अपने जवाब से कि सही है या नहीं.

| सवाल | जवाब |
|---|---|
| 'साबुन के पानी से हाथ धोने से करोना वायरस की बीमारी क्यों नहीं होगी' | वायरस एक प्रकार का प्रोटीन होता है जिसकी दो-तीन परतें आपस में जुड़ी रहती हैं। इतना सूक्ष्म की खाली आँखों से दीखता नहीं है. साबुन के बुलबुले से इसकी परतें अलग हो जाती है और फिर यह बर्बाद हो जाता है. मतलब यह कि फिर यह किसी को बीमार नहीं बना सकता। |

**Activity 3 - मैचिंग करना**

अपने नोटबुक से मिलाकर देखो कि जो तुमने लिखा था और जो हमने बताया, वह एक जैसा है या अलग. अलग है तो भी कोई बात नहीं. एक बात कई तरीके से कही जा सकती है

कोरोना वायरस के बारे में एक मज़ेदार चीज़ पता है?

Centre for Budget and Policy Studies

**Activity 1 - लिस्ट बनाओ**

साबुन से हाथ धोते रहने पर बीमारी नहीं होती - ऐसा किस किस (जैसे की टीवी ) से सुना है तुमने ?

सही गेस किया? हाँ, एक लिस्ट बनाना है. चलो जल्दी से अपने नोटबुक में ये लिस्ट बना लो. नहीं, नहीं टालो मत. अभी बना लो, बाद में आलस लगेगा.
बन गई लिस्ट? अच्छी बात है. और अगर नहीं बनी तो मौका मिलते ही बना लेना - भूलना मत.
अच्छा तो चलो आगे बढ़े। देखो नीचे दूसरे बॉक्स में एक पहेली है. इसके बारे में तुमने सोचा तो होगा ज़रूर.

**Activity 2 - कारण ढूंढो**

***साबुन के पानी से हाथ धोने पर कोरोना वायरस की बीमारी क्यों नहीं होगी?*** कभी सोचा है? सोचा तो होगा ही .. नहीं सोचा तो अभी सोचो. घर वालों से और अपने दोस्तों से चर्चा करो. चाहो तो गूगल भी कर सकते हो.

यह सब अपने नोट बुक में लिखना है. दो दिन बाद हम फिर आएंगे जवाब जांचने. तुम्हारे लिये एक नोटबुक और कुछ पेन भी भिजवा रहे हैं. पोस्ट के जरिये. ध्यान रखना की किसी और के घर न चला जाये. कुछ किताबें भी होंगी कहानियों की. पढ़कर मज़ा लेने के लिए.

तब तक के लिए, विदा.
अपना और आस पास वालों का ख्याल रखना.
रंजीता दीदी- धीरज भैया

इस चित्र पर नज़र रखना. आगे के पोस्ट कार्ड्स में ये लड़की चलेगी. कहाँ जाएगी ये हमें नहीं पता. तुम देखते रहना.

प्रिय छात्र/छात्रा,

सबसे पहले ये बताओ की क्या यह तुम्हारा पहला पोस्टकार्ड है जो तुम्हे मिला? या पहले भी चिट्ठी पतरी हुई है किसी के साथ? जो भी हो हमारे साथ तो पहली बार हो रही है. हम हैं तुम्हारी रंजीता दीदी और धीरज भैया जो स्कूल में आ कर मज़ेदार खेल खेलते हैं और नई नई चीज़ें सिखाते हैं. अब स्कूल बंद है तो हमने सोचा थोड़ी बातचीत पोस्टकार्ड के ज़रिए ही कर लेते हैं. अगर तुम लोगों को अच्छा लगे तो हम ऐसे ही पोस्टकार्ड भेजते रहेंगे और तुम मज़े लेते रहना नई चीज़ों को सीखने का.

शुरू करते हैं इससे कि करोना वायरस का साबुन से क्या रिश्ता है. सुना तो होगा ही की साबुन से हाथ धोते रहो तो बीमारी नहीं होगी. पीछे दिए गए एक्टिविटी बॉक्स में देखो, आज की गतिविधि दी गयी है.

क्या तुम गेस कर सकते हो कि क्या एक्टिविटी होगा?

Centre for Budget and Policy Studies

वायरस एक ऐसी अजीब चीज़ है जो खुद ज़िन्दा नहीं रहता पर जीवित व्यक्ति के शरीर में जाके ज़िन्दा हो जाता है. पर तभी तक जब तक यह अपनी परतों के साथ है. एक बार परते खुली तो फिर यह दोबारा जीवित नहीं हो सकता. यह अपने आप ही कुछ घंटों में निकम्मा हो जाता है.

समझे यह ख़ास बात? इस वायरस को ज़िंदा रहने में हमारी मदद चाहिए. तो हम इससे पीछा कैसे छुड़ाएं? तुम्हे तो पता है ना.

**थोड़ी दूरी बनाकर और साबुन से हाथ धो कर.**

चलो अब आज की एक्टिविटी को आगे बढ़ाते हैं. नीचे बॉक्स में देखो.

Activity 4: जानकारी बताओ

ज़रा ये सोच के बताओ कि - **हाथ धोने के क्या-क्या फायदे हैं?** क्या हाथ धोने से सिर्फ कोरोना वायरस भागता है? या और भी कुछ होता है? अपने नोटबुक में जल्दी से लिख डालो.

तब तक के लिए, विदा.
अपना और आस पास वालों का ख्याल रखना.
रंजीता दीदी- धीरज भैया

*अरे देखा, लड़की चल दी!*

# Responses

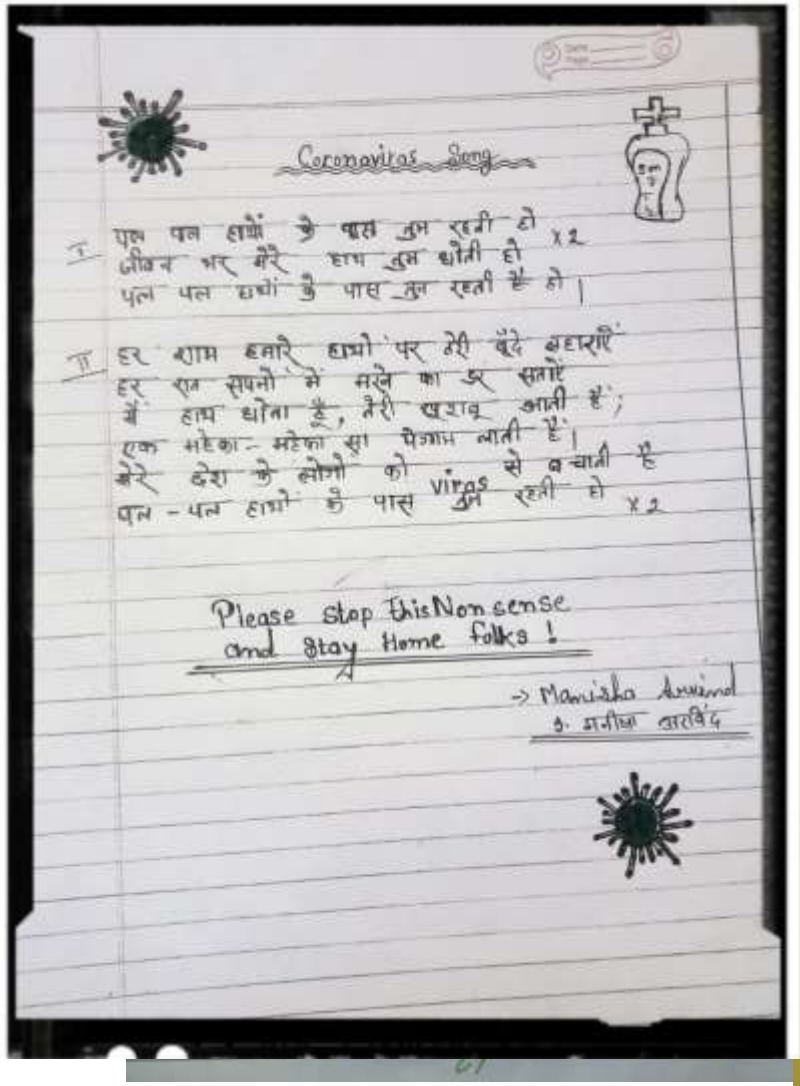



Coronavirus Song

I. पल पल हाथों के पास तुम रहती हो x2
जीवन भर मेरे हाथ तुम धोती हो
पल पल हाथों के पास तुम रहती है हो।

II. हर शाम हमारे हाथो पर तेरी बूँदे बहाएँ
हर रात सपनों में मरने का डर सताएँ
मैं हाथ धोता हूँ, तेरी खुशबू आती है;
एक महेका- महेका सा पैगाम लाती है।
मेरे देश के लोगो को virus से बचाती है
पल - पल हाथो के पास तुम रहती हो x2

Please stop this Non sense
and stay Home folks!

-> Manisha Arvind
5. मनीषा अरविंद

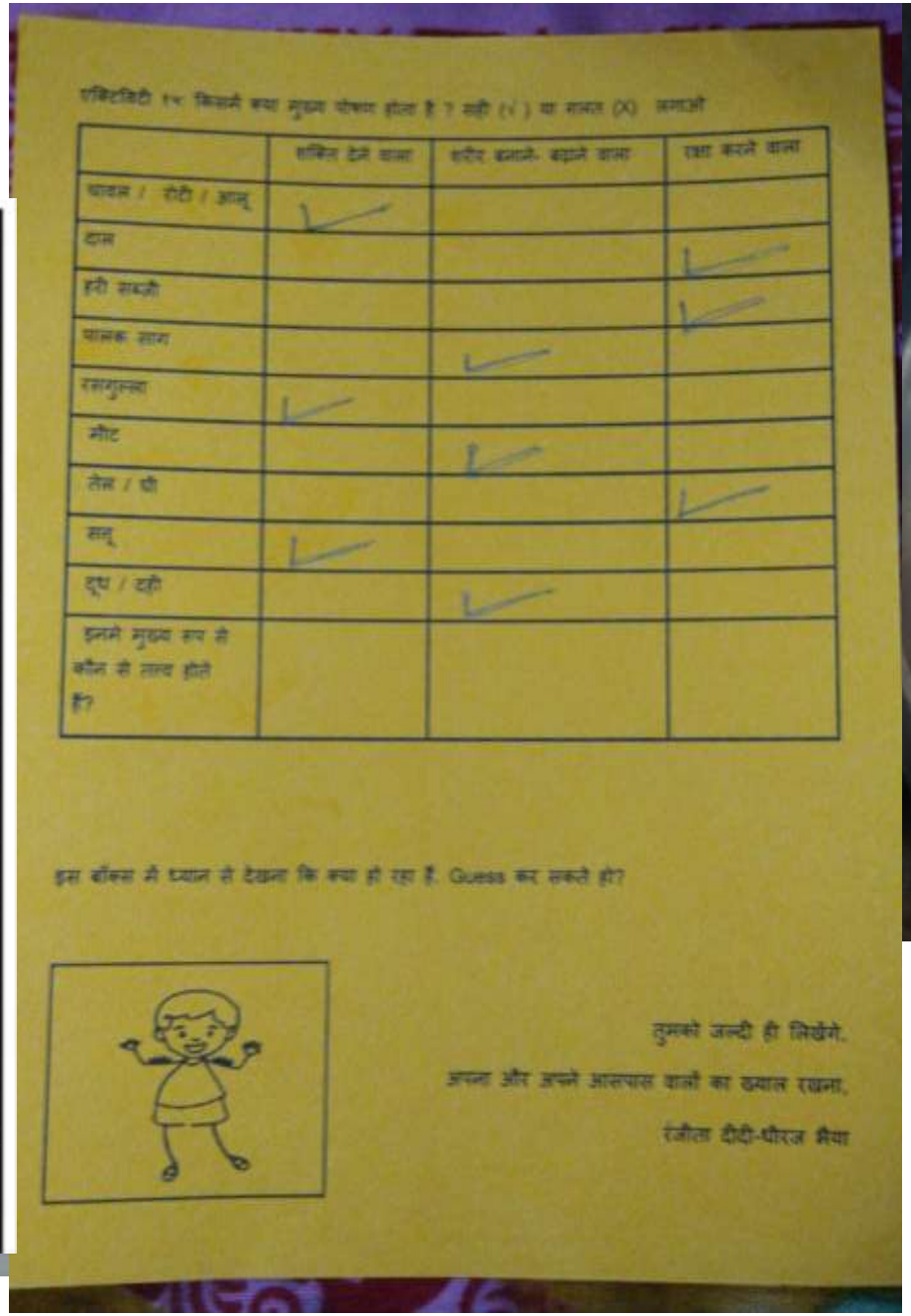



एक्टिविटी १४: किसमें क्या मुख्य पोषण होता है ? सही (✓) या गलत (X) लगाओ

| | शक्ति देने वाला | शरीर बनाने- बढ़ाने वाला | रक्षा करने वाला |
|---|---|---|---|
| चावल / रोटी / आलू | ✓ | | |
| दाल | | | ✓ |
| हरी सब्जी | | | ✓ |
| पालक साग | | ✓ | |
| रसगुल्ला | ✓ | | |
| मीट | | ✓ | |
| तेल / घी | | | ✓ |
| सत्तू | ✓ | | |
| दूध / दही | | ✓ | |
| इनमें मुख्य रूप से कौन से तत्व होते हैं? | | | |

इस बॉक्स में ध्यान से देखना कि क्या हो रहा है. Guess कर सकते हो?

तुमको जल्दी ही मिलेंगे.

अपना और अपने आसपास वालों का ख्याल रखना.

रंजीता दीदी-धीरज भैया

# Constraints and challenges

**Operational and institutional**

- Challenge of development, design and production during Covid
- Postal woes aplenty
- Address list and phone numbers (poor school recordkeeping)
- Floods
- Changing addresses and phone numbers

**Individual and social**

- Reading capabilities of students
- Lack of interest
- Not trained to self-learn
- The family's apprehension and in some cases opposition
- Girls' care work responsibilities
- Lack of literate environment and support at home

# Action research leading to:

**Learning from successes and failures in the context of developing critical thinking skills among early adolescent girls and boys**

- What worked and what didn't? in 'normal' times and in 'crisis'?
- Why did 'some' work and 'some' did not?
- What are the appropriate content and pedagogy choices that work in resource-poor contexts?
- How does the child, family and school act, interact and negotiate social norms, learning, education and change?
- What are the site-specific variations? What explains these variations?
- What are the gender-specific variations? What explains these variations?
- What matters should also work – how to make that happen?

**CHALLENGE OF KNOWING THESE!**

# Thank you